ऐतिहासिक: इसरो ने मानव मिशन के लिए क्रू मॉड्यूल को प्रक्षेपित कर वापसी कराई

गगनयान पहली परीक्षा में पास

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मिशन गगनयान के पहले चरण की सफल लॉन्चिग कर इतिहास रच दिया। देश के महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान से जुड़े पेलोड के साथ उड़ान भरने वाले परीक्षण यान का शनिवार पूर्वाह्न 10 बजे सफल प्रक्षेपण किया गया।

वैज्ञानिकों ने मिशन निष्फल होने की स्थिति में (अबॉर्ट सिचूएशन) टीवी-डी1 परीक्षण यान से क्रू मॉड्यूल (जिसमें अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे) को बाहरी अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने के बाद वापस सुरक्षित लाने के लिए क्रू एस्केप सिस्टम यानी चालकदल बचाव प्रणाली (सीईएस) का परीक्षण किया। छोटी अवधि का मिशन 531 सेकंड तक चला।

क्रू मॉड्यूल को फिर से प्राप्त किया: योजना के अनुसार, क्रू मॉड्यूल और क्रू एस्केप सिस्टम प्रक्षेपण के बाद बंगाल की खाड़ी में सुरक्षित और सटीक तरीके से उतार लिया गया। क्रू मॉड्यूल (सीएम) वह स्थान है, जहां गगनयान मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में दबावयुक्त पृथ्वी जैसे वातावरण के बीच रखा जाना है। भारतीय नौसेना ने पुष्टि की कि गगनयान मिशन के क्रू एस्केप मॉड्यूल को फिर से प्राप्त कर लिया गया।

वैज्ञानिकों ने खुशी जताई : इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने मिशन नियंत्रण केंद्र से कहा, मुझे टीवी-डी1 मिशन की सफलता की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। मिशन का उद्देश्य एक परीक्षण यान प्रदर्शन के माध्यम से गगनयान कार्यक्रम के लिए चालक दल बचाव प्रणाली का प्रदर्शन करना था। इस दौरान वाहन एक मैक और उससे भी अधिक तेजी से ऊपर गया, जो ध्वनि की गति है और फिर मिशन निष्फल होने की स्थिति में सीईएस की कार्यप्रणाली को दर्शाया गया।

मानव मिशन की ओर बढ़े कदम : इसरो ने इस प्रक्षेपण के जरिए मानव को अंतरिक्ष में भेजने की दिशा में आगे कदम बढ़ाया। इसरो का लक्ष्य तीन दिवसीय गगनयान मिशन के लिए मानव को 400 किलोमीटर की पृथ्वी की निचली कक्षा में अंतरिक्ष में भेजना और पृथ्वी पर सुरक्षित वापस लाना है।

› सुरक्षित लैंडिंग P02

आरोह इसरो ने शनिवार को श्रीहरिकोटा में अपनी महत्वाकांक्षी योजना गगनयान के तहत क्रू मॉडयूल की सफल लॉन्चिंग की। ● एएनआई

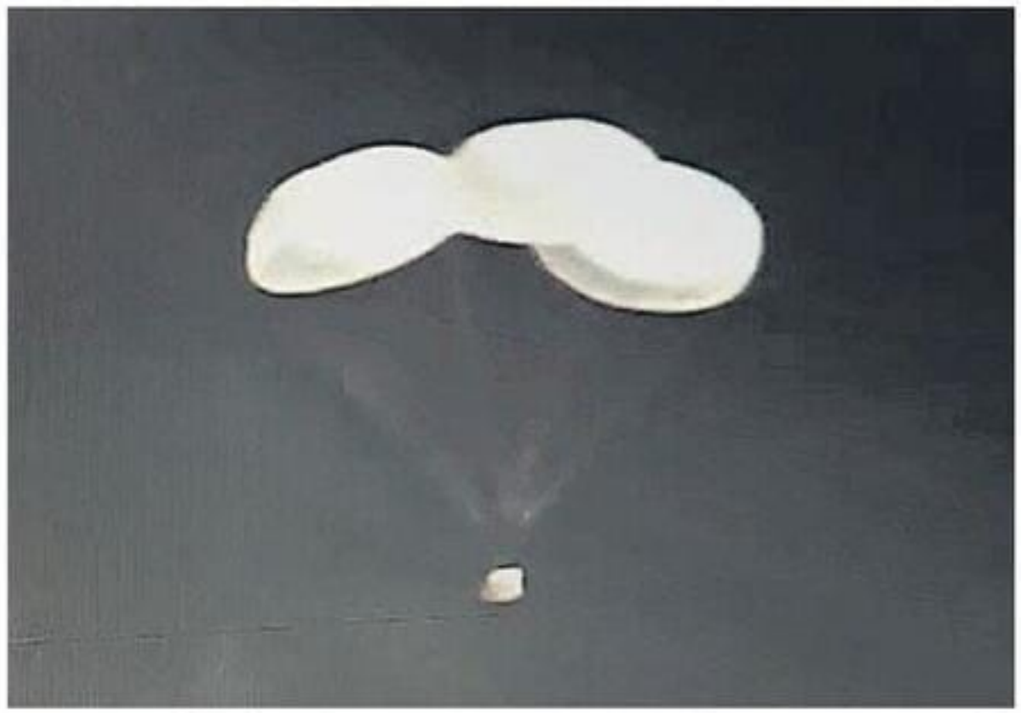

अवरोह टीवी-डी1 परीक्षण यान से क्रू मॉड्यूल को प्रक्षेपित करने के बाद इसकी पैराशूट से बंगाल की खाड़ी में सफल लैंडिंग कराई गई। ● एएनआई

अब मानव रहित प्रक्षेपण

सीईएस क्रू मॉड्यूल को वाहन से दूर ले गया। इसके बाद क्रू मॉड्यूल के सभी संचालन, सीईएस के अलग होने, सभी पैराशूट खुलने और आवश्यक वेग पर समुद्र में उतरने की प्रक्रियाएं बहुत अच्छी तरह से पूरी हुईं। इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी अगले साल की शुरुआत में मानव रहित गगनयान मिशन के तहत प्रक्षेपण करेगी।

> यह प्रक्षेपण हमें भारत के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान को साकार करने के एक कदम और करीब ले जाता है। इसरो के हमारे वैज्ञानिकों को मेरी शुभकामनाएं।-**नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री